संस्कृत विभाग

दयानन्द वैदिक कालेज, उरई (जालौन) उ0प्र0, 285001

(सम्बद्ध : बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, उ0प्र0)

NAAC ACCREDITED "B" GRADE WITH CGPA 2.61

फोन नं0 : **05162-252214** ई–मेल :**dvcoffice11@gmail.com**

संस्कृत साहित्य परिषद्

सत्र : 2019–2020

परिषद् गठन – सत्र : 2019–20

दिनांक – 06/11/2019

दयानन्द वैदिक कॉलेज, उरई के संस्कृत विभाग में विगत कई वर्षों से शैक्षणिक पद रिक्त थे। जिसके कारण संस्कृत साहित्य का पठन–पाठन बन्द होने से विभाग भी लगभग शून्य हो गया था। 01 अक्टूबर 2018 को डॉ. सर्वेश कुमार शाण्डिल्य की नियुक्ति असिस्टेण्ट प्रोफेसर के पद पर होने से विभाग में कक्षाओं और अध्ययन–अध्यापन का क्रम निरन्तरता के साथ चलने लगा।

विभाग के सुचारु रूप से गतिशील होने के कारण सत्र 2019–20 के बी.ए. के प्रवेश में संस्कृत साहित्य लेने वालों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। बी.ए. प्रथम वर्ष में कुल 74 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया जिसकी विगत वर्ष कुल 03 संख्या थी।

कई वर्षों बाद विभाग के पुनः प्रारम्भ होने से संस्कृत साहित्य परिषद् 2019–20 का गठन दिनांक 06–11–2019 को अत्यन्त उत्साह के साथ किया गया। परिषद् का गठन एवं कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्वाचन डॉ. सर्वेश कुमार शाण्डिल्य की देखरेख में चुनाव अधिकारी डॉ. कृपाशंकर यादव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। पदाधिकारियों की सूची इस प्रकार है –

क्र.सं.	**पदनाम**	**पदाधिकारी**	**कक्षा**
1.	अध्यक्ष	भावना शुक्ला	बी.ए. द्वितीय वर्ष
2.	उपाध्यक्ष	चन्द्रकान्त	बी.ए. प्रथम वर्ष
3.	महामन्त्री	आस्था बाजपेई	बी.ए. प्रथम वर्ष
4.	संयुक्त मन्त्री	शिवम	बी.ए. प्रथम वर्ष
5.	कोषाध्यक्ष	शिवांगी	बी.ए. प्रथम वर्ष

6. कार्यकारिणी सदस्य :

1. नीलम	2. सुमित यादव	3. रोहिणी
4. ब्रजराज सिंह	5. रूपा	6. दीपक कुमार

परिषद् गठन के समय चुनाव अधिकारी ने परिषद् के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह उपक्रम संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों को निरन्तर गतिशील और शैक्षिक रूप से समृद्ध करने का काम करेगा।

परिषदीय कार्यक्रम –

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता –_प्रथम कार्यक्रम के रूप में परिषद् के गठन के ठीक बाद दिनांक 14–11–2019 को बी.ए. प्रथम वर्ष और बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राओं के बीच परिषद् के द्वारा ''**निबन्ध लेखन प्रतियोगिता**'' का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक था ''**संस्कृत की वैज्ञानिकता एवं वर्तमान उपयोगिता**'' इस विषय पर अनेकों विद्यार्थियों ने भाग लेकर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता को सफल बनाया। इस अवसर पर उपस्थित हिन्दी विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. नीरज कुमार द्विवेदी ने निबन्ध का महत्व और हिन्दी आदि अनेकों भाषाओं के लिए संस्कृत भाषा की उपादेयता के विषय में विद्यार्थियों को बताया। निबन्ध लेखन के बाद संयोजक डॉ. सर्वेश कुमार शाण्डिल्य ने भी वर्तमान आधुनिक सन्दर्भ में हो रहे संस्कृत के विस्तार और उपयोग पर विद्यार्थियों के मध्य चर्चा की।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता – बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के बौद्धिक उन्नयन और आगामी वार्षिक परीक्षा की तैयारी के उद्देश्य से परिषद् द्वारा दिनांक 27–11–2019 को ''**वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** '' का आयोजन किया गया। जिसमें पाठ्यक्रम से सम्बन्धित परीक्षा के उपयोगी प्रश्नों को समाहित कर प्रतियोगिता हुई। जिसमें 25 प्रश्नों में से 21 प्रश्न सही कर छात्रा नीलम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रथम–	नीलम	21 अंक
द्वितीय–	सोनम वर्मा	19 अंक
	शिवानी यादव	19 अंक
तृतीय–	आस्था बाजपेई	18 अंक
	दीपक पांचाल	18 अंक

इस प्रकार अनेकों विद्यार्थियों ने इसमें भाग लेकर अपने ज्ञान का आकलन किया। इसके साथ ही बी.ए.द्वितीय वर्ष के लिए भी वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ इसमें द्वितीय वर्ष की एकमात्र छात्रा भावना शुक्ला ने भी अच्छे अंक प्राप्त किए।

गायन कौशल के लिए ''संस्कृत गीत गायन'' और ''सुभाषित पाठ प्रतियोगिता'' का भी आयोजन किया गया।

इसी बीच संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने अन्य विभागों के भी कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय कराया।

संस्कृत साहित्य परिषद् इसी प्रकार से आगे भी विद्यार्थियों के उन्नयन और उनकी प्रतिभा के उत्कर्ष के लिए कटिबद्ध है। विद्यार्थियों को आगामी वर्षों के लिए शुभकामनाएं।

दिनांक – 06/11/2019

Sarvesh Kumar Shandilya

डॉ. (सर्वेश कुमार शाण्डिल्य)
संयोजक, संस्कृत साहित्य परिषद्,
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, डी.वी. कॉलेज, उरई